विश्वस्य-ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) में आयोजित एक कार्यक्रम में, श्री एस. कृष्णन, सचिव, एमईआईटीवाई ने भौगोलिक रूप से वितरित बुनियादी ढांचे के साथ ब्लॉकचेन-ए-ए-सर्विस की पेशकश करने के लिए **विश्वस्य-ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी** स्टैक लॉन्च किया। विभिन्न अनुमति प्राप्त ब्लॉकचेन-आधारित अनुप्रयोगों का समर्थन करने के लिए।

मुख्य बिंदु

- सचिव, एमईआईटीवाई ने एनबीएफलाइट-लाइटवेट ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म, प्रमाणिक का भी अनावरण किया - जो मोबाइल ऐप की उत्पत्ति और राष्ट्रीय ब्लॉकचेन पोर्टल को सत्यापित करने के लिए एक अभिनव ब्लॉकचेन-सक्षम समाधान है।
- नेशनल ब्लॉकचेन फ्रेमवर्क टेक्नोलॉजी स्टैक वितरित इंफ्रास्ट्रक्चर, कोर फ्रेमवर्क कार्यक्षमता, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स और एपीआई गेटवे, सुरक्षा, गोपनीयता और इंटरऑपरेबिलिटी, और ब्लॉकचेन को एक सेवा (बीएएएस) के रूप में पेश करने वाले एप्लिकेशन डेवलपमेंट के साथ तैयार किया गया है।
- एनबीएफ वर्तमान में दो अनुमति प्राप्त ब्लॉकचेन प्लेटफार्मों का समर्थन करता है और एक्स्टेंसिबल है। प्रौद्योगिकी स्टैक को एनआईसी डेटा केंद्रों यानी **भुवनेश्वर, पुणे, हैदराबाद** में भौगोलिक रूप से वितरित बुनियादी ढांचे पर होस्ट किया गया है।

प्रधानमंत्री का ब्रुनेई दौरा

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 3 सितंबर 2024 को ब्रुनेई की राजधानी बंदर सेरी बेगवान पहुंचे। प्रधान मंत्री मोदी 3 से 5 सितंबर 2024 तक ब्रुनेई और सिंगापुर को कवर करने वाले दो देशों के दौरे पर हैं।

मुख्य बिंदु

- 10 मई 1984 को राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से यह किसी भी **भारतीय प्रधान मंत्री की ब्रुनेई की पहली यात्रा** है।
- बंदर सेरी बेगवान हवाईअड्डे पर **ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया** ने व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री का स्वागत किया।
- 1967 में गद्दी संभालने वाले सुल्तान बोलकिया अब दुनिया में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले राजा हैं।
- पीएम मोदी के सम्मान में सुल्तान ने अपने आवास इस्ताना नुरुल ईमान पैलेस में दोपहर के भोजन का आयोजन किया।
- इस्ताना नुरुल ईमान पैलेस के पास **विश्व स्तर पर सबसे बड़ा महल** होने का रिकॉर्ड है, जिसमें 1,788 कमरे, 257 बाथरूम और 44 सीढ़ियाँ हैं।
- ब्रुनेई प्रवास के दौरान पीएम मोदी **उमर अली सैफुद्दीन** मस्जिद भी गए।

हरविंदर सिंह ने रचा इतिहास

पेरिस पैरालिंपिक 2024 में, हरविंदर सिंह ने पुरुष तीरंदाजी व्यक्तिगत रिकर्व ओपन फाइनल में स्वर्ण जीतकर इतिहास रच दिया।

मुख्य बिंदु

- वह पैरालिंपिक या ओलंपिक में **स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय तीरंदाज** बने।
- इससे पहले, हरविंदर ने टोक्यो पैरालंपिक में इसी वर्ग में **कांस्य पदक** जीता था।
- दूसरी ओर, पुरुष क्लब थ्रो F51 फ़ाइनल में, **धरमबीर ने** 34.92 मीटर के थ्रो के साथ एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए **स्वर्ण पदक** जीता, जबकि **प्रणव सूरमा** ने 34.59 मीटर के थ्रो के साथ **रजत पदक** जीता।
- **सचिन सरजेराव** खिलारी ने पुरुषों की शॉट पुट F46 श्रेणी में 16.32 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड थ्रो के साथ **रजत पदक** हासिल किया।

केंद्र और त्रिपुरा सरकार ने एनएलएफटी और एटीटीएफ के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए

केंद्र सरकार ने त्रिपुरा राज्य सरकार के सहयोग से **नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी)** और **ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ)** के साथ एक महत्वपूर्ण शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन को 4 सितंबर को नई दिल्ली में औपचारिक रूप दिया गया, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्य बिंदु

- शांति समझौते ने **35 साल लंबे संघर्ष** का अंत कर दिया, क्योंकि सशस्त्र समूहों ने अब हिंसा छोड़ने और त्रिपुरा के विकास में योगदान देने की प्रतिज्ञा की है।
- यह समझौता **पूर्वोत्तर में 12वां और त्रिपुरा से संबंधित तीसरा शांति** समझौता है, जिसमें 10,000 से अधिक विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण किया है और इसी तरह के समझौते के तहत मुख्यधारा में शामिल हुए हैं।
- नई दिल्ली में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, दोनों विद्रोही समूहों ने स्वतंत्र त्रिपुरा राज्य की अपनी मांग छोड़ दी है और राष्ट्रीय मुख्यधारा में एकीकृत होने का फैसला किया है।

त्रिपुरा के बारे में

- त्रिपुरा, मूल रूप से एक रियासत, 15 अक्टूबर 1949 को भारत का हिस्सा बन गया। इसे 1 सितंबर 1956 को केंद्र शासित प्रदेश नामित किया गया और 21 जनवरी 1972 को राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ।
- त्रिपुरा की सीमा बांग्लादेश, मिजोरम और असम से लगती है।
- राज्य की सीमा मुख्यतः बांग्लादेश से लगती है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय सीमा 856 किमी तक फैली हुई है, जो इसकी कुल सीमा का 84 प्रतिशत है।
- **राजधानी:** अगरतला
- **मुख्यमंत्री**: माणिक साहा

केंद्र ने 23वें विधि आयोग के गठन को अधिसूचित किया

भारत सरकार ने 23वें विधि आयोग के गठन को अधिसूचित किया है, जो सितंबर 2024 से अगस्त 2027 तक कार्य करेगा।

मुख्य बिंदु

- **अवधि:** तीन वर्ष, 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2027 तक।
- **संघटन:**
  - **पूर्णकालिक अध्यक्ष**: एक
  - **पूर्णकालिक सदस्य:** चार (एक सदस्य-सचिव सहित)

- + पदेन सदस्य:
- कानूनी मामलों के विभाग के सचिव
- विधायी विभाग के सचिव
- **अंशकालिक सदस्य**: अधिकतम पाँच

❖ **पात्रता एवं कार्य**

- सेवारत उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अध्यक्ष और सदस्यों के रूप में कार्य करेंगे।
- वे अपनी सेवानिवृत्ति या आयोग के कार्यकाल की समाप्ति, जो भी पहले हो, तक पूर्णकालिक आधार पर अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे

❖ **मुख्यालय:**

- विधि आयोग नई दिल्ली में स्थित होगा

❖ **नियम और शर्तें:**

- राष्ट्रपति ने अध्यक्ष, सदस्यों (सदस्य-सचिव सहित) और अंशकालिक सदस्यों की नियुक्ति के लिए नियमों और शर्तों को मंजूरी दे दी है

अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून और संशोधन)

पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सर्वसम्मति से '**अपराजिता**' विधेयक पारित कर दिया है, जिसका उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों के खिलाफ कानूनों को मजबूत करना है।

मुख्य बिंदु

❖ पिछले महीने आरजी कर मेडिकल सेंटर एंड हॉस्पिटल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के दुखद बलात्कार और हत्या के बाद, यह अभूतपूर्व कानून पश्चिम बंगाल को ऐसे गंभीर अपराधों को संबोधित करने वाले केंद्रीय कानूनों में संशोधन करने वाला पहला राज्य बनाता है।

❖ '**अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून और संशोधन) 2024**' बलात्कार और अन्य यौन अपराधों के दोषियों के लिए मौत की सजा का प्रावधान करता है, जो लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है।

❖ महिलाओं के उत्पीड़न और बलात्कार के मामलों में कड़ी से कड़ी सजा दी गई है। **POCSO एक्ट** के प्रावधानों को और सख्त किया गया है।

❖ **बलात्कारियों के लिए मृत्युदंड** का प्रावधान किया गया है यदि उनके कृत्य के परिणामस्वरूप पीड़िता की मृत्यु हो जाती है या उनके मस्तिष्क को गंभीर क्षति होती है

❖ विधेयक के तहत अपराजिता टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, जिसमें प्रारंभिक रिपोर्ट के 21 दिन के भीतर सजा दी जाएगी. जिन मार्गों पर नर्सें और महिला डॉक्टर यात्रा करती हैं, उन्हें कवर किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 120 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं

❖ **रात्रि साथी** के एक प्रावधान में कहा गया है कि महिलाएं 12 घंटे की ड्यूटी करेंगी और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर अपनी ड्यूटी बढ़ाएंगे

सर्वोच्च न्यायालय- नया झंडा और प्रतीक चिन्ह

1 सितंबर, 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान भारत के सर्वोच्च न्यायालय के नए ध्वज और प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया।

मुख्य बिंदु

- सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की **75वीं वर्षगांठ** के उपलक्ष्य में यह आयोजन भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण था।
- **ध्वज विवरण:** नया झंडा नीला है और इसमें अशोक चक्र, सुप्रीम कोर्ट भवन और भारत का संविधान प्रमुख रूप से अंकित है।
- **प्रतीक चिन्ह का विवरण:** प्रतीक चिन्ह में देवनागरी लिपि में अंकित वाक्यांश "**यतो धर्मस्ततो जयः**" शामिल है, जिसका अनुवाद "**जहाँ धर्म है, वहाँ विजय है।**"
- यह वाक्यांश न्याय और धार्मिकता के सार को समाहित करता है जिसे सर्वोच्च न्यायालय कायम रखने का प्रयास करता है।
- नए झंडे और प्रतीक चिन्ह की संकल्पना और डिजाइन **राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) दिल्ली द्वारा किया गया था।**
- वे न्याय और लोकतंत्र का प्रतीक हैं, जो संविधान और कानून के शासन के संरक्षक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को दर्शाते हैं। झंडा विभिन्न डिज़ाइनों में उपलब्ध होगा, जिसमें क्रॉस टेबल फ़्लैट, सिंगल टेबल फ़्लैग, पोल फ़्लैग और लकड़ी के फ्रेम शामिल हैं, जो विविध सेटिंग्स में इसकी उपस्थिति सुनिश्चित करेगा।

लघु समाचार

- एडीएनओसी-एक्सॉनमोबिल साझेदारी के माध्यम से टेक्सास में **दुनिया की सबसे बड़ी निम्न-कार्बन हाइड्रोजन** सुविधा का निर्माण किया जाएगा।
- भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने यूएई जवाबदेही प्राधिकरण के अध्यक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान यूएई जवाबदेही प्राधिकरण के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।
- भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की **610वीं बैठक** मुंबई में आयोजित की गई।
- आरआईएनएल (राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड), जो विशाखापत्तनम स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट इकाई है, ने **"जीरो डेमरेज अभियान"** शुरू किया।
- अबू धाबी के क्राउन **प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान** ने आधिकारिक तौर पर **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली अबू धाबी परिसर** का उद्घाटन किया है।
- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आईएसए स्टील कॉन्क्लेव के 5वें संस्करण में अपने संबोधन के दौरान **2034 तक 500 मिलियन टन स्टील उत्पादन** का लक्ष्य रखा।

दैनिक करेंट अफेयर्स से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न

1. निम्नलिखित में से किस राज्य विधानसभा ने अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक पारित किया?

(a) मध्य प्रदेश

(b) महाराष्ट्र

(c) पश्चिम बंगाल

(d) आंध्र प्रदेश

उत्तर-C

2. ब्रुनेई की यात्रा करने वाले भारत के पहले प्रधान मंत्री कौन बने?

(a) नरेंद्र मोदी

(b) मनमोहन सिंह

(c) जवाहर लाल नेहरू

(d) इंदिरा गांधी

उत्तर -A

○○○○

ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH